**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या 370**

 **02 अप्रैल, 2018 को उत्तर के लिए**

**सशस्त्र बलों में पायलटों की कमी**

**\*370. श्री मोतीलाल वोरा :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या यह सच है कि नौसेना, थल सेना और वायु सेना में पायलटों की भारी कमी है;
2. यदि हां, तो सरकार ने इस कमी को पूरा करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं;
3. यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
4. इस कमी को कब तक पूरा कर लिया जाएगा ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

**सशस्त्र बलों में पायलटों की कमी के बारे में राज्य सभा में दिनांक 02 अप्रैल, 2018 को उत्तर दिए जाने के लिए तारांकित प्रश्न सं. 370 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क) से (घ): जी, हां। सशस्त्र बलों में स्वीकृत संख्या की तुलना में पायलटों की कमी है और उनकी चयन प्रक्रिया में सुधार करके तथा उसे सरल बनाकर इसका निराकरण किया जा रहा है। प्रचलित चयन प्रक्रिया संतोषजनक है जहां सशस्त्र बलों द्वारा उक्त कमी को दूर करने और युवाओं को इस ओर आकर्षित करने हेतु कई सक्रिय कदम उठाए जातें हैं जिनमें करियर मेलों/प्रदर्शिनियों में भागीदारी, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मिडिया में विज्ञापन, विद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रेरणास्पद भाषण और सामरिक स्थानों पर दृश्य/सांकेतिक प्रचार आदि शामिल हैं।

 उपर्युक्त के अतिरिक्त, सशस्त्र बलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा युवाओं को इस ओर आकर्षित करने के लिए सेना कमान स्तर पर नियमित रूप से आर्मी मेलों का आयोजन किया जाता है, एनसीसी परेडों के दौरान उडडयन संबंधी विशेष प्रदर्शन किए जाते हैं और अपर जन सूचना महानिदेशक द्वारा समाचार पत्रों और वेबसाइट पर विज्ञापन भी दिए जाते हैं। इसके अलावा, भर्ती को समाहित करने हेतु प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि करने तथा प्रशिक्षण संस्थानों की क्षमता को बढ़ाने, इंजीनियर और सिग्नल जैसे सहायक संवर्ग से अफसरों की भर्ती को प्रारंभ करने जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं ।

\*\*\*\*\*